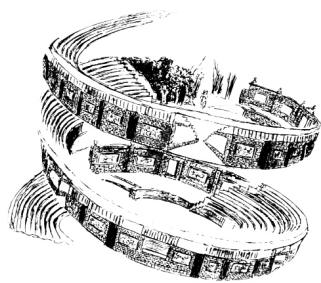


Established in 1936



# The Doon School WEEKLY

"I sketch your world exactly as it goes." -Arthur Foot

March 13, 2021 | Issue No. 2598



## A STUDY ON STUDYING

A humorous piece on the psychological effects of studying

Pages 4

## INTERNATIONAL WOMEN'S DAY

An explanation of the significance of International Women's Day.

Page 5

## MATCH THE FOLLOWING

Match history's most famous women to their accomplishments.

Page 6

## A Final Goodbye

**The Doon School Weekly bids farewell to Ms. Priyanka Majumdar.** *On this occasion, her friends, students, and colleagues share their thoughts on her tenure.*

I remember when Priyanka first joined School about 13 years ago, when her daughter Shivya was only about 4-5 years old. Since then, I have always seen her do all her work effortlessly and graciously. She has discharged her pastoral duties in a dedicated and professional way and her caring and polite nature is always so refreshing for colleagues and students alike. I believe she has been an integral part of our community all these years. I thank her for working with such commitment, and for being a kind colleague and friend.

-SMV

From the very beginning of my life on campus, PMR ma'am was one of the most caring and forgiving people I can think of. My first year in School would not have been the same if it weren't for her presence. Whether it was *Chhota Hazri* or a pre-dinner badminton session, she was ready for just about anything. I will always remember the scolding we got for playing football in the rain and the countless CDH memories involving the infamous 'bulletproof rotis'. She was always there to keep a check on our shenanigans no matter how ridiculous they were. Most importantly, she embodied the spirit of Martyn House and we are forever grateful for her care and compassion towards us.

-Arjun Prakash

Whether it was a missing sock or a g-store chit, PMR ma'am was always there to help us young D Formers in Martyn House. I am not alone when I say that in School, a Dame plays an essential role in our daily lifestyles and in taking care of our nutrition and health. She was always there when someone was in the hospital, and was always keeping tabs on more than 40 boys. If someone needed mental or physical assistance, she was present to fulfill that role. Regardless of the event, whether it was during meals or during important events in the house, she was there. To take care of boys who have only just entered School is not easy but PMR Ma'am made it look it was. Martyn House will miss you Ma'am.

-Avi Bansode

प्रियंका मजूमदार के संपर्क में मैं जब से आई हूँ, उनकी छवि एक ऐसे सहयोगी के रूप में मेरे मन में बनी, जो खुले मन से सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहती थीं। किसी भी समस्या का तत्काल सकारात्मक हल मैंने हमेशा पाया है। मीटिंग्स में अपनी बात को दृढ़ता से रखती थीं। असहमत होते हुए भी अपने वरिष्ठों की बात का सम्मान करते हुए प्रियंका ने कभी प्रशासनिक निर्णय को बाधित नहीं किया। अत्यंत कर्तव्यपरायण, आत्मानुशासित रहते हुए परिवार और कर्तव्य में सामंजस्य स्थापित किया। कर्तव्य के प्रति लगन, निष्ठा को प्रियंका ने हमेशा प्राथमिकता दी। छात्रों को अनुशासन, प्रेम तथा सहयोग का जो पाठ प्रियंका ने सिखाया वो उन्हें जीवन पर्यंत उपयोगी रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। एक मित्र व सहयोगी के रूप में मैं प्रियंका को हमेशा याद रखूंगी, तथा आभारी रहूंगी। मैं प्रियंका व उनके परिवार के सुखद भविष्य की कामना करती हूँ।

-KNS

(continued on the next page)

जब भी मैं अपने डी फॉर्म के दिनों को याद करता हूँ तब ऐसे चंद लम्हें होते हैं जो सदैव मेरे मस्तिष्क में अपनी जगह बना लेते हैं। ऐसा ही एक लम्हा था जब मैं अपनी स्कूल की जिन्दगी का पहला "चेंज-इन-ब्रेक" भाग कर मार्टिन हाउस आ रहा था कि तभी अचानक से मेरे सामने मेरा एक मित्र आ खड़ा हो गया। उससे टकराते ही मेरे मुँह से खून बहने लगा, और मेरी आँखों से आँसू। अगले एक मिनट के अंदर ही मैं वेलनेस सेंटर में था। यह एक मिनट, PMR मैम को परिभाषित करता है। उस एक मिनट में वेलनेस सेंटर को कॉल लगाना, भैया को बुलाकर मुझे उनके साथ भेजना, मेरा हौंसला बढ़ाना एवं मेरे सभी दोस्तों को संभालना आखिर और कौन कर सकता है? लंच पर हाउस में भागने के लिए मुझे डॉटने के पश्चात, एक मुस्कान के साथ आइस-क्रीम आखिर और कौन दे सकता है? स्कूल की सीढ़ी के पहले पायदान पर सहारा देने के लिए आपको तहे दिल से शुक्रिया PMR मैम।

-Keshav Tiwari

## ट्यूबरक्लोसिस मुक्त भारत

आदित्य अग्रवाल

आज के कोरोना युग में सभी लोग मास्क लगाते हैं, हाथों को धोते हैं, जल्द से जल्द खासी आने पर या बुखार चढ़ने पर कोरोना की टेस्टिंग करते हैं। सतर्क हो गए हैं विश्व के लोग और इससे ना खाली कोरोना हाथ में आ गया है, बल्कि एक बहुत बड़ी बीमारी पर भी रोक लग गयी है, जो है "ट्यूबरक्लोसिस"।

पर. कोरोना और ट्यूबरक्लोसिस की अपनी सामान्यताएँ हैं। दोनों ही महाबीमारियाँ हैं, दोनों ही अनगिनत लोगों की जान ले चुकी हैं, दोनों ही एक संक्रमित व्यक्ति के इन्फेक्टेड ड्रॉपलेट से फैलती हैं। दोनों में ही, अगर पॉजिटिव रिपोर्ट आजाए तो पहले तो लोग घबराते हैं, किसी को बतलाते नहीं हैं, और कई लोग तो यह मान लेते हैं कि बस अब उनके जिन्दगी के रस्ते यहीं पर खतम हो गये हैं।

जैसे कोरोना महामारी एक वैश्विक महामारी है, वैसे ही ट्यूबरक्लोसिस यानि टी.बी को अब से करीब २५ वर्ष पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO द्वारा इमरजेंसी घोषित किया गया था। तबसे अलग अलग देशों में टी.बी को रोकने के लिए अलग अलग प्रयास किये गए हैं। निश्चिन्त तौर पर २५ साल एक काफी लम्बा समय होता है, और सचार्ड यह है कि, अभी तक इस बीमारी को रोकने में हम सफल नहीं हो पाए हैं। जब आप किसी कार्य में सक्षम न हों तब उस पर चिंतन करना आवश्यक होता है। क्या कार्य ढंग से किया जा रहा है? क्या योजनाएं लागू हो रही हैं? क्या इस पर काम हो रहा है? और अगर इसका जवाब "हाँ" है तो इसकी जांच करना अनिवार्य है। यह देखना जरूरी है की हम कहाँ गलत जा रहे हैं।

पूरे विश्व ने ट्यूबरक्लोसिस को जड़ से खतम करने का २०३० तक का लक्ष्य रखा है, पर विश्व ट्यूबरक्लोसिस डे पर हमारे प्रधानमंत्री जी ने २०२५ तक भारत से टी.बी को हटाने का दृढ़ निश्चय लिया है। सरकार चाहती है कि सबसे पहले निदान ठीक से हो इसलिए आर्टिफी.

सियल इंटेलेजन्स आधारित मशीन X भारत में की गयी है, बेहतर दवाइयाँ, वक्सिनेशन, और फंड्स से काफी अलग अलग तरीकों से सरकार २०२५ तक टी.बी मुक्त भारत का सपना देख रही है।

टी.बी को भारत से मिटाने के लिए हमें एक टीम की तरह काम करना होगा, एक दृढ़ संकल्प लेना होगा। पर जब भी मैं टी.बी मुक्त भारत के बारे में सोचता हूँ तो यह सवाल आता है को क्या हमारे देश की जन संख्या हमारे लक्ष्य के आगे तो न आजायेगी? हमें समस्या समग तरीकों से निपटने का प्रयास करना होगा, तभी हमें उसका फल मिलेगा। २०२५ टी.बी मुक्त भारत !! टी.बी हारेगा, देश जीतेगा !

## भारत

अर्जुन मित्रा

मैदानों में छिड़ी होती थी यहाँ जंग,  
पहाड़ों की सूरत देखकर सब होते हैं दंग।  
होली में जहाँ उठते हैं अद्भुत गुलाल,  
इस मेरी प्यारी जमीन भारत को मेरा प्रणाम।

होता था ये एक अमूल्य कोहिनूर का घर,  
जिसे अंग्रेजों ने डाल दिया अपने ताज पर।  
कश्मीर है हमारा अटूट हिस्सा,  
पर भ्रष्ट मनुष्यों ने बनाया उसे राजनीति का किस्सा।

गाँव, शहर यहाँ कभी-कभी होती है पानी की कटौती,  
अब बस दुआ करो कि हो हमारी बढौतरी।  
नेता एक पर पैसे है करोड़,  
एक हजार कमाने के लिए किसान लगाता है हर तोड़।

हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, इनसे बनता है हिन्द,  
फिर क्यों पूछते हों "कौनसा पिंड"।  
शरणार्थी हो या शत्रु, एक बार गले लगाने पर बनते हैं  
दोस्त,  
इसलिए भारतीय होने पर नहीं है हमें अफसोस।

## This Week in History

**44 B.C.:** Julius Caesar was assassinated in the Senate chamber in Rome by Marcus Brutus and his fellow conspirators.

**1609 C.E.:** The island of Bermuda is colonized by the British after a British ship on its way to Virginia is wrecked on the reefs of the island and the crew is forced to stay there.

**1862 C.E.:** The US Government issues paper money for the first time as \$5, \$10 and \$20 bills are circulated.

**1864 C.E.:** Ulysses S. Grant is commissioned as a Lieutenant General and becomes the commander of the Union armies.

**1918 C.E.:** The 'Spanish' influenza first reaches America as 107 soldiers become sick at Fort Riley, Kansas. One quarter of the U.S. population eventually became ill from the deadly virus, resulting in 500,000 deaths. The death toll worldwide approached 22 million by the end of 1920.

**2010 C.E.:** The largest ever earthquake in Japan causes a tsunami and a nuclear fallout at Fukushima which results in the deaths of over 20,000 people.

“

Culture does not make people. People make culture. If it is true that the full humanity of women is not our culture, then we can and must make it our culture.

Chimamanda Ngozi Adichie

## THE WHO?

Who is Matthew Tyler Musto?

**Shreyan Mittal:** A racer

**Umaid Dhillon:** A scientist

**Divyaansh Surana:** A poet

**Matthew Tyler Musto**, more commonly known as **Blackbear**, is an American **musician, singer, songwriter, and record producer**. Musto is also a member of the alternative hip hop/R&B duo **Mansionz** with American singer and rapper **Mike Posner**. He is best known for his albums **“Deadroses”** and **“Everything Means Nothing”**.

### UNQUOTABLE QUOTES

*Exam is a team sport.*

**Samarth Chaudhary**, and there is no ‘T’ in team

*This is a past paper question from an old paper.*

**Hridayam Tusnial**, elementary

*Human quiz*

**Vedant Agarwal**,

### Around the World in 80 Words

The US Senate approved the largest ever stimulus bill of 1.9 trillion US Dollars. Nagpur announced a lockdown from March 15th to March 21st. China approved a \$1.5 billion currency swap with Sri Lanka in order to provide aid to the island. General Electric, an American multinational conglomerate, joined hands with its competitor in the air leasing business, AerCap, in a \$30 billion deal. Barcelona lost to PSG 5-2 in aggregate score and exited the UEFA Champions League.

Dooco Doodle

Adapt and Evolve

Roban Taneja



# A Study On Studying

Aryan Agarwal writes about the perils of studying

It is the 13th of March, and exams begin on but the 15th. Two days remain. I can play today, or maybe not, but if at all I felt obliged to work I could always plan for when I do study, which is productive (or what I would like to believe, despite mounting empirical evidence). I pick out the laptop sleeve from the depths of my bag and pull out a cold, slim laptop and flip it open. I open a fresh Word document, and the first few words appear on the screen as I type them in. But then I look up and see the repulsively ordinary standard MS font; I scramble to shut the document, lest the most average font stares back at me and threatens to taint my memory. If not for an aesthetically appeasing table, what else could compel me to pore over the pages of the same textbook that I read for the last Mid-years, and the Finals before that, (not to forget, that test-week that happened in the middle) and the first mid-years before them all. Anyhow, I skip over to a Google document, which I find to be a little more agreeable, at which point my laptop fan stops whirring and the machine dies. It feels like a conspiracy against me, and it is sapping the last remnants of any resolve within me, but then I had never protested much anyway. Laptop dead, a weighty helplessness sits within me - for a brief, altogether infinitesimal moment - until it occurs to me that I had been given the license to leave- to leave.

So, I leave and then I change, and then I run, after which I play. Then I walk back to the House. It is a quarter to seven now. I sit at the edge of my bed, aggressively rubbing my head with a towel as a vent for my self-loathing, while also doing so to try and rattle my brain back to normalcy - a

normalcy that I often proclaim, had faded away mysteriously one day in A form.

I leave my room and walk to the CDH thinking up a resolution, about how these exams matter, and how I have to study harder. Maintaining a sour face, I scour far and wide for every last whip of self-contempt that I can find to put myself up to; and I have crossed the critical threshold. Now, I can feel a purpose in my gaze: a distinctively undeterred, gripping determination, a focus so cutting, it hurts my own eyeballs. I rediscover a sliver of hope, for my future and my aspirations, and as it was meant to be, I walk a little taller, with my head perhaps a little higher - to the CDH. I walk into the CDH, consumed by presumptive images of success that my meditations en route to the CDH have brought me. I get my food and take a seat at the table. Soon others join; I eat silently while others chatter around me. I discreetly leave, having had my dinner, and walk back to the House, trying to emulate the same focus or just think about it for fear of losing the precious thing were I to drift from it for even a second.

By the time I reach the House, I am in a fit of subdued slant-headed, crazy-eyed madness. I open the door and obsessively shut it back just so, so that the two doors are parted by precisely a finger-length: not too much for noise to come in, but enough for a beckoning to be heard. As for my desk, I pick it up and balance it on my head while looking at the space around my room to see where I might place it, so as to optimize my efficiency of study. I place it at the foot of my bed but then it is blocking a path; so I decide to fit it into the right corner of my room, only to realize that I would

**Laptop dead,  
a weighty  
helplessness sits  
within me - for a  
brief, altogether  
infinitesimal  
moment - until it  
occurs to me that I  
had been given the  
license to leave- to  
leave**

have no access to a charging port. After 15 minutes of this ordeal, my rampantly exacerbating delirium leads to my dumping the desk in, of all places, the changing room.

I pull the chair out, step in front of it and draw it under me as I sit down in front of the desk. Mosquitoes whirr around me, and I notice a streak of blue mint toothpaste that lines the wall to the right of the desk; I unbutton my track-top and take it off. I slide slowly on the chair to a low hunch, too exhausted to conduct a cognitive task or lift an eyelid. I am about to slide into untethered, effortless sleep, when the door flings open, rattling against the wall on either side; my roommate strides in and flings himself onto his bed.

After two anguished breaths, he says, plainly "I can't study." I grin, and fall asleep

Best of luck for the upcoming trials!

# International Women's Day

*The Doon School Weekly writes about the significance of International Women's Day.*

International Women's Day is observed to celebrate the success of women in all spheres of life and to reflect on the progress made by women throughout the world. The day has been observed for more than a century since it began in 1911. Celebrated on March 8 every year, the day also aims to highlight the difficulties and gender discrimination that women still face in society and recognizes the social, economic, cultural, and political achievements of women. It is a day to spread awareness among people regarding women's rights and gender equality.

In some countries, children and men give presents, flowers or cards to their mothers, wives, sisters or other women they know. But at the heart of International Women's Day lies women's rights. Across the world, there are protests and events to demand equality. Many women wear purple, a colour worn by the Suffragettes, women who campaigned for women's right to vote in the early 20th century. Recently, marches and protests have gained force thanks to the #MeToo and #TimesUp movements against sexual harassment. To understand International Women's Day, however, we need to understand its history.

The first National Woman's Day was observed in the United States on February 28th, 1909. The Socialist Party of America designated this day in honour of the 1908 garment workers'

strike in New York where women protested against abysmal working conditions. The first milestone in the US was much earlier - in 1848. Indignant at women being barred from speaking at an anti-slavery convention, Elizabeth Cady Stanton and Lucretia Mott gathered a few hundred people at their nation's first women's rights convention in New York. Together, they demanded civil, social, political, and religious rights for women in *A Declaration of Sentiments and Resolutions*, a book by Elizabeth Stanton. This was a major step, but it was not until Clara Zetkin, a German feminist, pushed for it to be a holiday in 1910 that it really took off across Europe. It was celebrated in Germany, Austria, and Switzerland in 1911 and became an important day for peace protests during World War I. Zetkin had trained as a teacher and was associated with the Social Democratic Party, one of the two major political parties in Germany today. She was a part of both the labour movement and the women's movement. Vladimir Lenin, the head of the Soviet Union from 1917 to 1924, declared Women's Day an official Soviet holiday after the October Revolution at the urging of his Commissar of Social Welfare, Alexandra Kollontai. Later, it spread throughout the socialist world to places such as China and Cuba as an important day to recognize the contributions that women had made to both family and the economy.

The necessity for such a day can be seen in the fact that, according to the World Economic Forum, gender parity will not be achieved for almost a century. So, we must continue to spread awareness, because there is urgent work to be done. Legal restrictions have kept 2.7 billion women from accessing the same choice of jobs as men. Across the democratic world, less than 25 percent of parliamentarians were women, as of 2019. One in three women still experience gender-based violence.

The theme for International Women's Day 2021 is 'Choose to Challenge'. This means that we can all choose to challenge and call out gender bias and inequality and choose to seek out and celebrate women's achievements. Thus, we can help create an inclusive society. Raising your hand is the pose for this year. It symbolises a commitment to call out inequality, call out bias, and question stereotypes.

During the COVID-19 crises, women have stood at the front lines as health care workers, caregivers, innovators, community organizers and effective leaders of countries. The crisis has highlighted both the centrality of their contributions and the disproportionate burdens that women carry. This year, we celebrate the tremendous efforts by women and girls around the world in shaping a more equal future and recovery from the COVID-19 pandemic.

## Sources

- 1 <https://www.internationalwomensday.com/>
- 2 <https://www.un.org/en/observances/womens-day>
- 3 <https://penntoday.upenn.edu/news/history-behind-international-womens-day>
- 4 <https://indianexpress.com/article/lifestyle/life-style/international-womens-day-2021-da-te-history-and-importance-of-the-day-7210013/>
- 5 <https://learnenglish.britishcouncil.org/sites/podcasts/files/LearnEnglish-Magazine-International-Womens-Day.pdf>

## Match The Following

Match some of history's most famous women to their accomplishments

- A. Amelia Earheart
- B. Celia Cruz
- C. Elisa Zamfirescu
- D. Indira Gandhi
- E. Lyudmila Pavlichenko
- F. Kamala Harris

1. *The most successful female sniper in human history, this woman went on to rack up 309 confirmed kills in World War II.*
2. *The world's first-ever female engineer*
3. *The first female aviator to fly across the Atlantic Ocean. Tragically, she disappeared during a flight 9 years later.*
4. *This woman was the first female and the first African American to be elected attorney general of California.*
5. *"The Queen of Salsa", this woman became one of the most prolific musicians in Latin America.*
6. *This woman is one of the prime examples of women rising to power in India. She was known for her political intransigency and unprecedented centralisation of power.*

3. A	1. E
2. C	4. F
5. B	
6. D	
<b>Answers</b>	

## International Women's Day Checklist

### Movie Checklist

Hidden Figures	Theodore Melfi
Iron Lady	Phyllida Lloyd
Carol	Todd Haynes
Little Women	Greta Gerwig
Seeing Allred	Sophie Sarinain
Queen of Katwe	Mira Nair
To Walk Invisible: The Brontë Sisters	Sally Wainwright
RBG	Julie Cohen, Betsy Wests



### Book Checklist

The Second Sex	Simone de Beauvoir
Feminism is for Everybody	bell hooks
I Know Why the Caged Bird Sings	Maya Angelou
Little Women	Louisa May Alcott
Suffragette	Emmeline Pankhurst
Dear Ijeawele, or a Feminist Manifesto in Fifteen Suggestions	Chimamanda Ngozi Adichie
Becoming	Michelle Obama
Game, Set, Match: Billie Jean King and the Revolution in Women's Sports	Susan Ware
The Women's Suffrage Movement	Penguin Classics
The Origins of Others	Toni Morrison

The views expressed in articles printed are their authors' own and do not necessarily reflect those of the Weekly or its editorial policy.

Online Edition: [www.doonschool.com/co-curricular/clubs-societies/publications/past-weeklies/](http://www.doonschool.com/co-curricular/clubs-societies/publications/past-weeklies/) [weekly@doonschool.com](mailto:weekly@doonschool.com)



©IPSS: All rights reserved. Printed by: The English Book Depot, 15 Rajpur Road, Dehradun, Uttarakhand-248001, India. Published by: Kamal Ahuja, The Doon School, Dehradun.

**Editor-in-Chief:** Advaita Sood **Editor:** Aryan Agarwal **Senior Editors:** Aditya Jain, Kabir Singh Bhai **Hindi Editor:** Keshav Tiwari **Associate Editors:** Ahan Jayakumar, Armaan Rathi, Saatvik Anand, Shreyan Mittal, Vihan Ranka **Special Correspondents:** Anshul Khakhar, S.J. Akhilesh, Tarun Doss, Abhay Jain, Aryan Baruah, Yashovrat Nandan **Cartoonist:** Paras Agrawal, Rohan Taneja **Webmaster:** Kritika Jugran **Assistant Managers:** Arvandanabha Shukla, Priyanka Bhattacharya, Purnima Dutta **Technical Assistant:** KC Maurya